**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## पूर्व विद्यार्थियों ने शिक्षण, शोध व प्रसार पर पुनः दृष्टिपात की आवश्यकता बतायी

पंतनगर। ११ नवम्बर, २०१७। विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह के प्रथम दिन आज पूर्व विद्यार्थियों का दो-दिवसीय सम्मेलन प्रारम्भ हुआ, जिसके उद्घाटन सत्र में वर्ष १९६० बैच के पूर्व विद्यार्थी डा. बी.बी. सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में तथा पूर्व विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, डा. एस.सी. मुद्गल व डा. अमरेश कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने की।

प्रो. मिश्रा ने अपने सम्बोधन में पंतनगर विश्वविद्यालय को हरित क्रांति का पुरोधा व भारत में भुखमरी को दूर करने वाला बताते हुए कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये मानव संसाधन द्वारा कृषि में उद्यमिता विकास, कृषि प्रबन्धन, कृषि उत्पादन इत्यादि में देश एवं विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है। वर्तमान चुनौतियों का सामना करते हुए किसानों की आय को दोगुना करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है। उत्तराखण्ड प्रदेश की विशिष्टताओं को देखते हुए इसे जैविक प्रदेश बनाने, यहां कि देशी गाय बदरी की उत्पादकता बढ़ाने, पर्वतीय क्षेत्रों में कीवी, आम तथा अन्य फलों का उत्पादन बढ़ाने, बैमोसमी सब्जी उत्पादन करने, जैसे बिन्दुओं पर विश्वविद्यालय द्वारा कार्यवाही किये जाने की उन्होंने बात कही। विश्वविद्यालय को मिले विभिन्न अवार्ड के साथ-साथ अन्य उपलब्धियों का भी उन्होंने जिक्र किया। प्रो. मिश्रा ने पूर्व विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय को समुचित सहयोग की अपेक्षा की।

इस अवसर पर डा. बी.बी. सिंह, डा. एस.सी. मुद्गल एवं डा. अमरेश कुमार ने विश्वविद्यालय में बिताये अपने समय की कठिनाईयों, विशेषताओं एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी, साथ ही विश्वविद्यालय में शिक्षण के स्तर को सुधारने, पंतनगर संस्कृति को पुनः स्थापित करने, शोध की गुणवत्ता में वृद्धि करने जैसे सुझाव दिये तथा पूर्व विद्यार्थियों से विद्यार्थी विश्वविद्यालय संवर्धन संगठन की सदस्यता लेकर उसे सुदृढ़ करने के साथ-साथ वर्तमान विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति, अवार्ड एवं अन्य वित्तीय सहयोग दिये जाने के लिए कहा।

उद्घाटन सत्र में पूर्व विद्यार्थियों को विभिन्न अवार्ड भी प्रदान किये गये। वर्ष १९६३ बैच के टैक्सास, यूएसए, में कार्यरत डा. वी.पी. सिंह एवं टोरंटो, कनाडा, में कार्यरत डा. विनय मेहरोत्रा, को लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। वर्ष १९६२ बैच के पूर्व विद्यार्थी डा. गजेन्द्र सिंह को विश्वविद्यालय के साथ-साथ प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के आउटस्टैंडिंग अलमूनस अवार्ड से सुशोभित किया गया। कृषि महाविद्यालय का आउटस्टैंडिंग अलमूनस अवार्ड एरिजोना, यूएसए, में कार्यरत वर्ष १९८५ बैच के डा. अशोक के मिश्रा, को उनकी अनुपस्थिति में प्रदान किया गया। पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के लिए आउटस्टैंडिंग अलमूनस अवार्ड वर्ष १९६० बैच के डा. हरपाल सिंह को तथा विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के लिए क्रमशः वर्ष १९७३ बैच के प्रो. वी.के. चौधरी व वर्ष १९८६ बैच के श्री आनन्द शुक्ला को प्रदान किया गया। इस अवसर पर पूर्व विद्यार्थियों द्वारा शुरू की गयी रू. १५०० प्रति माह की नयी छात्रवृत्ति, ४ए आशा किरण छात्रवृत्ति, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के विद्यार्थी शुभांकन पाण्डे को दी गयी। कृषि महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी श्री विकास सिंह ने अपने पसंदीदा शिक्षक, डा. आर.सी. छिब्बर, के नाम से ट्राफी सहित रू. १०,००० का एक अवार्ड सर्वोत्तम स्नातक विद्यार्थी के लिए प्रारम्भ किया, जिसके लिए उन्होंने २.५ लाख रू. का फंड दिया।

इस अवसर पर विद्यार्थी विश्वविद्यालय संवर्धन संगठन (४ए) की सचिव, डा. सुनीता टी. पाण्डे, ने उपस्थित अतिथियों, पूर्व विद्यार्थियों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों तथा अन्य सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में भारत के विभिन्न प्रांतों के साथ-साथ अमेरिका, कनाडा सहित लगभग २०० पूर्व विद्यार्थी पहुंचे हैं। उद्घाटन सत्र के अंत में डा. दीपा विनय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर ४ए की स्मारिका एवं वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन का मंचासीन अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया।

आज प्रातः सम्मेलन से पूर्व 'रन फॉर यूनिवर्सिटी' दौड़ का भी आयोजन किया गया जिसमें कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा; विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों सहित

पूर्व विद्यार्थियों ने सहभागिता की। यह दौड़ विश्वविद्यालय के स्टीवेंशन स्टेडियम से प्रारम्भ हुई तथा गांधी पार्क पर सम्पन्न हुई।

*पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में उद्घाटन सत्र में मंचासीन मुख्य अतिथि एवं कुलपति तथा अन्य।*

*लाइफ टाइम अवार्ड एचीवमेंट अवार्ड प्राप्त करते प्रो. वी.पी. सिंह।*

*रन फॉर यूनिवर्सिटी दौड़ को प्रारम्भ करते कुलपति प्रो. ए.के. मिश्रा।*